भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1178
उत्तर देने की तारीख 28 जुलाई, 2025
6 श्रावण, 1947 (शक)

राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र

1178. श्री प्रवीण पटेल:
श्री रमेश अवस्थी:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री अनुराग शर्मा:
श्री नव चरण माझी:
श्री विवेक ठाकुर:
डॉ. हेमांग जोशी:
श्री मनोज तिवारी:
श्री माधवनेनी रघुनंदन राव:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंदिरा गांधी स्टेडियम में नवनिर्मित राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) के उद्देश्य और अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र क्या हैं;

(ख) क्या एनसीएसएसआर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय खेल विज्ञान केंद्रों के साथ सहयोग किए जाने की उम्मीद है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या एनसीएसएसआर वर्ष 2036 ओलंपिक के लिए भारत की दावेदारी और उत्कृष्ट एथलीटों के विकास के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क), (घ) और (ङ) : भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) स्कीम का उद्देश्य उत्कृष्ट एथलीटों के उच्च प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उच्च-स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार में सहायता प्रदान करना है। इंदिरा गांधी स्टेडियम में नव-उद्घाटित एनसीएसएसआर के उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- खेल प्रदर्शन के संवर्धन, अनुरक्षण और उन्नयन के लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों का अनुप्रयोग।
- खेल विज्ञान के उपयोग द्वारा खिलाड़ियों के प्रदर्शन में वृद्धि।
- एथलीटों को उनकी अधिकतम क्षमता तक विकसित करना और उनके प्रतिस्पर्धी खेल करियर को बढ़ाना।
- खेल विज्ञान संबंधी जानकारी का प्रसार।
- खाद्य पूरकों/स्वदेशी खाद्य पदार्थों का परीक्षण और प्रमाणन।
- खेल प्रदर्शन में आयुर्वेदिक/होम्योपैथिक औषधियों का अनुप्रयोग।
- खेल से जुड़े चोटों की रोकथाम और पुनर्वास

इसके अलावा, एनसीएसएसआर के मुख्य अनुसंधान क्षेत्र बहु-विषयक हैं, जिनमें एथलीट डेटा संरक्षण सहित खेल शरीरक्रिया विज्ञान, बायोमैकेनिक्स, एथलीट पोषण और उपापचय, खेल मनोविज्ञान और मानसिक लचीलापन, मानवमिति, पुनर्वास विज्ञान, पहनने योग्य और डिजिटल निगरानी प्रौद्योगिकियाँ और नैतिक अनुसंधान अनुपालन शामिल हैं।

भारत में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दावेदारी प्रस्तुत करना भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ज़िम्मेदारी है और ओलंपिक के लिए मेजबानी के अधिकारों का आवंटन अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा एक विस्तृत मेजबान चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। मेजबान चयन प्रक्रिया आईओसी की वेबसाइट https://www.olympics.com/ioc/becoming-an-olympic-games-host/the-process-to-elect-olympic-hosts पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

(ख) और (ग) जी हाँ, राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) का उद्देश्य भारत के खेल प्रशिक्षण और प्रदर्शन अवसंरचना में वैश्विक विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के अपने अधिदेश के तहत प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय खेल विज्ञान केंद्रों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना है।

एनसीएसएसआर का उद्देश्य व्यापक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करना है जिसमें ऑस्ट्रेलियाई खेल संस्थान (एआईएस), गेटोरेड खेल विज्ञान संस्थान (जीएसएसआई), बाथ विश्वविद्यालय (यूके) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) चिकित्सा आयोग के अंतर्गत आने वाले निकायों के साथ शैक्षणिक आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी साझेदारी और सह-अनुसंधान पहल शामिल हैं। इसका एक प्रमुख उद्देश्य भारतीय एथलीटों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, परीक्षण और पुनर्वास प्रोटोकॉल को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। इसके अतिरिक्त, एनसीएसएसआर अंतर्राष्ट्रीय खेल विज्ञान सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और खेल विज्ञान में भारतीय विद्वानों के लिए उन्नत अनुसंधान और डॉक्टरेट स्तर के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने हेतु विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक फैलोशिप विकसित कर रहा है।

*****